Printed Pages : 4 Roll No....................

REFNO 097477

LL.B.(Hons.) Semester-IV Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-221

Family Law – II (Muslim Law)

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions, carry equal marks.

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Who is a Muslim ? What are the rules regarding conversion to Islam and conversion from Islam to another religion ? Explain in detail how these conversions affect Muslim marriage and inheritance rights.

   मुस्लिम कौन है ? मुस्लिम धर्म में धर्मपरिवर्तन और मुस्लिम धर्म से अन्य किसी धर्म में धर्मपरिवर्तन के क्या नियम है। इसका मुस्लिम विवाह और उत्तराधिकार पर क्या प्रभाव पड़ता है विस्तार से समझाओं।

P.T.O.

REFNO 097477

2. What is the message of Islam given by prophet Muhammad ? Explain the concept of Islam in detail, along with a comprehensive explanation of Sharia and fiqh.

पैगम्बर मोहम्मद साहब ने इस्लाम धर्म का क्या संदेश लोगों को दिया है। इस्लाम को समझाते हुए शरीयत एवं फिक्ह को विस्तारपूर्वक समझाइयें।

3. Explain in detail the various sources of Muslim Law.

मुस्लिम विधि के विभिन्न स्रोतो की विस्तार से व्याख्या करें।

4. How did the Sunni, Shia and Motazila school originate ? Various sub-school have emerged within the Sunni and Shia school. Explain these, along with their key texts and governing principles in detail.

सुन्नी, शिया एवं मोताजिला सम्प्रदाय कैस निर्मित हुये हैं ? सुन्नी और शिया में अलग-अलग उपविचारधाराओं ने जन्म लिया है। उन सभी की विभिन्न पुस्तकों के नाम और नियमावली को विस्तारपूर्वक समझाओं।

5. What is Nikah in Muslim Law ? What are the essential conditions required for a valid Nikah ? Explain in detail the various legal disqualifications (Impediments) and the legal effects of different types of Marriages.

मुस्लिम विधि में निकाह क्या है ? निकाह के लिए किन-किन शर्तों की आवश्यकता होती है ? विभिन्न विधिक अनर्हता और विभिन्न विवाह के प्रभावों को विस्तारपूर्वक समझाओं।

6. What is the definition of Mahras provided by Abdul Rahim ? Is Mahran absolute right ? Explain in detail Mahr-i-Musamma (Sepecified down), Mahr-i-Misla (Proper Down) and the rights of a wife upon the non-payment of Mahr.

अब्दुल रहीम ने मेहर की कौन-सी परिभाषा दिया है। मेहर एक आत्यांतिक अधिकार है। मेहर-इ-मुसम्मा, मेहर-इ-मिस्ल और मेहर न मिलने पर पत्नी के अधिकारों को विस्तारपूर्वक समझाओं।

7. Explain in detail the various modes of divorce in Muslim law.

मुस्लिम विवाह-विच्छेद के विभिन्न तरीकों को विस्तार से समझाओं।

REFNO 097477

8. Write notes on any **two** of the following:

निम्नलिखित में से किसी दो पर टिप्पणी लिखो ?

(a) Option of puberty (Khayar-ul-Bulugh)

वयस्कता का विकल्प सिद्धांत (ख्यार-उल-बुलुग)

(b) Legal effects of Muta marriage.

मुता विवाह के विधिक प्रभाव

(c) Hiba (Gift) in Muslim law.

मुस्लिम विधि में दान

(d) Rules of Iddat.

इद्दत के नियम

***

500

Printed Pages : 7 Roll No....................

REFNO 097481

LL.B. (Hons.) Semester-IV Examination, 2025-26

Company Law

Paper : LBH - 222

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** are of equal marks.

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी के अंक समान है।

1. Discuss the meaning and essential characteristics of a company. Explain the principle of perpetual succession and examine the concept of a company as a separate legal entity.

   कंपनी के अर्थ और उसकी आवश्यक विशेषताओं की चर्चा कीजिए। शाश्वत उत्तराधिकार के सिद्धांत को समझाइए तथा कंपनी को एक पृथक विधिक इकाई के रूप में विश्लेषित कीजिए।

P.T.O.

REFNO 097481

2. Mr. X forms a company, X Pvt. Ltd., and transfers all his business to it. He is the majority shareholder and controls all decisions of the company. Later, it is discovered that the company was used to evade taxes and to defraud creditors by transferring assets to another company owned by Mr. X's relatives. The creditors approach the court seeking to hold Mr. X personally liable, arguing that the company is merely a façade. Discuss the concept of lifting of corporate veil. In the light of the given facts, examine whether Mr. X can be held personally liable. When do courts lift or disregard the corporate veil? Refer to relevant case laws.

श्री X ने X प्रा. लि. नामक एक कंपनी का गठन किया और अपना संपूर्ण व्यवसाय उसमें स्थानांतरित कर दिया। वह कंपनी के बहुसंख्यक शेयरधारक थे और कंपनी के सभी निर्णयों पर उनका नियंत्रण था। बाद में यह पता चला कि कंपनी का उपयोग करों से बचने तथा लेनदारों को धोखा देने के लिए किया गया, जिसमें कंपनी की संपत्तियों को श्री X के रिश्तेदारों की स्वामित्व वाली दूसरी कंपनी को स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद लेनदारों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और यह कहते हुए श्री X को

व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराने की मांग की कि कंपनी केवल एक दिखावा मात्र थी। निगमन का पर्दा उठाने की अवधारणा की चर्चा कीजिए। दिए गए तथ्यों के आधार पर यह परीक्षण कीजिए कि क्या श्री X को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। न्यायालय किन परिस्थितियों में निगमन के पर्द को उठाते या अनदेखा करते हैं? संबंधित वाद-विवादों का उल्लेख कीजिए।

3. What is a Memorandum of Association? What are its main contents? Explain the legal provisions relating to the Name Clause under the Companies Act, 2013. What is meant by undesirable or identical names?

संगम ज्ञापन क्या है? इसके मुख्य घटक क्या हैं? कम्पनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत नाम उपबंध से संबंधित विधिक प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। अवांछनीय या समान नाम से क्या अभिप्राय है?

4. What is a prospectus? What do you understand by a false statement in a prospectus? Discuss the remedies available to investors who suffer financial loss after purchasing shares relying on such false statements. Also examine the defences available to directors in case of civil liability under the Companies Act, 2013.

विवरण पत्रिका क्या है? विवरण पत्रिका में झूठा कथन से आप क्या समझते हैं? ऐसे झठे कथनों पर भरोसा करके शेयर खरीदने के बाद वित्तीय हानि उठाने वाले निवेशकों के लिए के लिए उपलब्ध उपायों की चर्चा कीजिए। साथ ही, कम्पनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत निदेशकों के लिए उपलब्ध बचाव का परीक्षण कीजिए।

5. Mr. Raj a promoter, entered into a contract for supply of furniture on behalf of a proposed hotel company before its incorporation. After the company was incorporated, it refused to accept the contract, stating that it was made before the company came into existence. The supplier has sued both the company and Mr. Raj. In the light of this discuss-

Who is a promoter? Discuss the legal position of a promoter and pre-incorporation contracts. In the given case, is the company bound by the contract? Is the promoter personally liable? Support your answer with legal principles and case laws.

(d) Concept of holding and subsidiary companies and the liability of holding company

होल्डिंग और सहायक कंपनियों की अवधारणा तथा होल्डिंग कंपनी का दायित्व।

***

श्री राज जो एक प्रवर्तक हैं, ने एक प्रस्तावित होटल कंपनी के पंजीकरण से पूर्व उसकी ओर से फर्नीचर आपूर्ति का अनुबंध किया। कंपनी के पंजीकरण के बाद उसने यह कहते हुए अनुबंध स्वीकार करने से इंकार कर दिया कि यह अनुबंध कंपनी के अस्तित्व में आने से पहले किया गया था। इसके पश्चात आपूर्तिकर्ता ने कंपनी तथा श्री राज दोनों के विरुद्ध वाद दायर किया। उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में बताइए-संप्रवर्तक कौन होता है? संप्रवर्तक की विधिक स्थिति तथा पूर्व-निगमन अनुबंधों की कानूनी स्थिति का विवेचन कीजिए। उपर्युक्त मामले में क्या कंपनी इस अनुबंध से बाध्य होगी? क्या प्रवर्तक व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होगा? अपने उत्तर को विधिक सिद्धांतों एवं प्रमुख वादों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6. Explain the following

व्याख्या कीजिए

(a) The relationship between Memerandum of Association and Articles of Association

संगम अनुच्छेद और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के बीच संबंध

(b) The doctrine of ultra vires

अधिकारातीत का सिद्धांत

REFNO 097481

7. Explain the meaning and nature of shares. Discuss the different types of shares that can be issued under the Companies Act, 2013.

अंश के अर्थ और प्रकृति की व्याख्या कीजिए। कम्पनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत जारी किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अंशों की चर्चा कीजिए।

8. Discuss any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर चर्चा कीजिए :

(a) Distinction between a public company and a private company

सार्वजनिक कंपनी और निजी कंपनी में अंतर

(b) Difference between shares, stock, and debentures

शेयर, स्टॉक और डिबेंचर में अंतर

(c) Difference between a company and a partnership firm

कंपनी और साझेदारी फर्म में अंतर

Printed Pages : 4 Roll No....................

REFNO 097485

LL.B. (Hons.) Semester-IV Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-223

Labour and Industrial Laws-I

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** qustions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Define industrial dispute as provided in the Industrial Relations Code and explain the meaning of the expression 'Any person' with the help of relevant case laws.

औद्योगिक संबंध संहिता के अंतर्गत 'औद्योगिक विवाद' को परिभाषित कीजिए तथा 'किसी व्यक्ति' अभिव्यक्ति के अर्थ को प्रासंगिक न्यायिक निर्णयों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

REFNO 097485

2. Define 'Settlement' and 'Award' as given in the Industrial Relations Code and explain its essential requirements.

औद्योगिक संबंध संहिता में दिए गए 'समझौता' और 'निर्णय' को परिभाषित कीजिए तथा उनसे संबंधित प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss the provisions of section 62 of the Industrial Relations Code and explain its essentials.

औद्योगिक संबंध संहिता की धारा 62 के प्रावधानों का वर्णन कीजिए तथा उसके आवश्यक तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

4. Discuss the essential provisions of law relating to arbitration given in section 42 of the Industrial Relations Code and explain its essential requirements.

औद्योगिक संबंध संहिता की धारा 42 में दिए गए मध्यस्थता से संबंधित विधि के आवश्यक प्रावधानों का विवेचना कीजिए तथा इसकी आवश्यक शर्तों को स्पष्ट कीजिए।

5. A temporary combination of workers in an industrial establishment formed a trade union to improve wages and working conditions and applied for its registration. The registrar refused registration on technical grounds. Critically analyse.

किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान में श्रमिकों के एक अस्थायी समूह ने वेतन और कार्यस्थितियों में सुधार के लिए एक ट्रेड यूनियन का गठन किया और उसके पंजीकरण के लिए आवेदन किया। रजिस्ट्रार ने तकनीकी आधारों पर पंजीकरण से इनकार कर दिया। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

(a) The legal requirements for registration of a Trade Union under section 6 of the Industrial Relations Code.

औद्योगिक संबंध संहिता की धारा 6 के अंतर्गत ट्रेड यूनियन के पंजीकरण के लिए विधिक आवश्यकताएँ क्या हैं।

(b) The importance of Trade Union in Collective Bargaining.

सामूहिक सौदेबाजी में ट्रेड यूनियन का महत्व क्या है।

(c) How does the concept of Socialism justify the existence and functioning of Trade Unions in a modern industrial society.

समाजवाद की अवधारणा आधुनिक औद्योगिक समाज में ट्रेड यूनियनों के अस्तित्व और कार्यप्रणाली को किस प्रकार उचित ठहराती है?

6. Explain the provisions relating to recognition of a negotiating union or council under the Industrial Relations Code. Also briefly discuss immunity from civil suits, disqualifications of office bearers and adjudication of trade union disputes.

औद्योगिक संबंध संहिता के अंतर्गत वार्ताकार यूनियन या परिषद की मान्यता से संबंधित प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। साथ ही दीवानी वादों से प्रतिरक्षा, पदाधिकारियों की अयोग्यता तथा ट्रेड यूनियन विवादों के न्याय निर्णयन का संक्षेप वर्णन कीजिए।

REFNO 097485

7. Explain the process for preparation, certification and modification of standing orders under the Industrial Relations Code. What is the role of the certifying officer and why are standing orders important for maintaining discipline.

औद्योगिक संबंध संहिता के अंतर्गत स्थायी आदेशों के निर्माण प्रमाणीकरण तथा संशोधन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। प्रमाणीकरण अधिकारी की क्या भूमिका है तथा औद्योगिक अनुशासन बनाए रखने में स्थायी आदेशों का क्या महत्व है?

8. Write short notes on any **two** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Definition of 'Worker' in the Industrial Relations Code

औद्योगिक संबंध संहिता में 'कर्मकार' की परिभाषा

(b) Definition of 'Retrenchment' in the Industrial Relations Code

औद्योगिक संबंध संहिता में 'छटनी' की परिभाषा

(c) Definition of 'Trade Union' in the Industrial Relation Code

औद्योगिक संबंध संहिता में 'ट्रेड यूनियन' की परिभाषा

(d) Definition of Industry in the Industrial Relations Code

औद्योगिक संबंध संहिता में 'उद्योग' की परिभाषा

***

Printed Pages : 7 Roll No....................

REFNO 097493

LL.B. (Hons.) Semester-IV Examination, 2025-26

Law

Paper : LBHE-223

Interpretation of Statutes

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. All qustions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "The process of understanding a statute is not merely confined to discovering the literal meaning of words: rather, it involves a deeper judicial excrcise of ascertaining legislative intent, often requiring courts to go beyond the text when ambiguity arises."

   In light of the above statement, critically examine the 'concept of Interpretation'. How does it differ from the process of Construction'? Illustrate your answer with suitable examples and judicial approaches.

P.T.O.

"किसी संविधि का अर्थ समझने की प्रक्रिया केवल शब्दों के शाब्दिक अर्थ तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह विधायिका के आशय को जानने का एक गहन न्यायिक प्रयास है, जिसमें अस्पष्टता की स्थिति में न्यायालय को पाठ से आगे भी जाना पड़ता है।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में संविधियों के निर्वचन की संकल्पना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। यह अर्थान्वयन की प्रक्रिया से किस प्रकार भिन्न है? उपयुक्त उदाहरणों एवं न्यायिक दृष्टिकोणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

2. "When the language of a statute is clear and unambiguous, the courts are bound to give effect to it, irrespective of the consequences, even if it leads to hardship, inconvenience, or injustice."

In light of the above statement, critically analyse the Literal Rule of Interpretation. To what extent should courts adhere strictly to the plain meaning of statutory words? Discuss using relevant judicial decisions.

"जब किसी संविधि की भाषा स्पष्ट और निर्विवाद होती है, तो न्यायालय उसे प्रभाव देने के लिए बाध्य होते हैं, चाहे उसके परिणाम कठिनाई, असुविधा या अन्याय ही क्यों न उत्पन्न करें।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में निर्वचन के शाब्दिक नियम का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। उपयुक्त न्यायिक निर्णयों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

3. "There is no independent rule known as the 'Golden Rule of Construction'; it is merely a modification of the Literal Rule of Interpretation, invoked by the court to avoid absurdity, inconsistency, or repugnance in statutory interpretation."

In the light of the above statement, critically examine the Golden Rule of Construction. Support your answer with relevant judicial pronouncements.

"वास्तव में निर्वचन के 'स्वर्णिम अर्थान्वयन के नियम' के नाम से कोई स्वतंत्र नियम नहीं है; यह केवल शाब्दिक निर्वचन के नियम का एक संशोधित रूप है, जिसे न्यायालय द्वारा संविधि के निर्वचन में उत्पन्न होने वाली असंगति, विसंगति या अव्यवहारिक परिणामों से बचने के लिए लागू किया जाता है।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में निर्वचन के स्वर्णिम नियम का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। अपने उत्तर को सुसंगत न्यायिक निर्णयों के साथ समर्थित कीजिए।

4. "The remedy adopted should be such as will effectively remove the wrong and further the remedy provided by law."

Criticaly examine the law of mischief in the light of the above statement. Refer to relevant judicial decisions.

"अपनानी चाहिए जो उस दोष को प्रभावी रूप से दूर करे और विधि द्वारा प्रदान किए गए उपचार को आगे बढ़ाए।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में रिष्टि के नियम का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। सुसंगत न्यायिक निर्णयों को संदर्भित कीजिए।

5. "The Preamble of a statute is not merely a formal or ornamental introduction; it embodies the underlying purpose and guiding spirit of the legislation, often serving as a key to unlock the meaning of its provisions in cases of ambiguity."

(c) Presumption against violation of International Law

अंतरराष्ट्रीय विधि के उल्लंघन के विरुद्ध उपधारणा

(d) Parliamentary History as an extrinsic aid to Interpretation

संविधियों के निर्वचन में बाह्य सहायक के रूप में संसदीय इतिहास

***

In light of the above statement, critically examine the role of the Preamble as an internal aid in interpreting statutes. To what extent, the court can rely upon the Preamble in interpreting statutes? Discuss in reference to relevant judicial pronouncements.

"किसी विधि की उद्देशिका केवल औपचारिक या अलंकारिक भूमिका नहीं होती, बल्कि यह उस विधि के मूल उद्देश्य एवं मार्गदर्शक भावना को अभिव्यक्त करती है तथा अस्पष्टता की स्थिति में उसके प्रावधानों के अर्थ को समझने की कुंजी का कार्य करती है।"

उपर्युक्त कथन के आलोक में विधियों के निर्वचन में उद्देशिका की आंतरिक सहायक के रूप में भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। न्यायालय किस सीमा तक उद्देशिका का सहारा लेकर विधियों का निर्वचन कर सकते हैं? इस विषय में सुसंगत न्यायिक निर्णयों के संदर्भ में चचर्चा कीजिए।

6. Explain the various presumptions relating to the operation of statutes and illustrate your answer with suitable judicial decisions.

विधियों के प्रवर्तन से संबंधित विभिन्न उपधारणाओं को स्पष्ट कीजिए और उपयुक्त न्यायिक निर्णयों के साथ अपने उत्तर को सोदाहरण समझाइए ।

7. Explain the rules relating to the interpretation of penal statutes. While discussing the rule of strict interpretation, examine its rationale, answer with relevant judicial decisions.

दण्डात्मक विधियों के निर्वचन से संबंधित नियमों को स्पष्ट कीजिए। दंडात्मक विधियों के कठोर निर्वचन के नियम की चर्चा करते हुए उसके औचित्य का परीक्षण कीजिए। सुसंगत न्यायिक निर्णयों सहित अपने उत्तर दीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

(a) Rule of Ejusdem generis

सजाति का नियम का नियम

(b) Interpretation of taxing statutes

कर संविधियों का निर्वचन

Printed Pages : 4   Roll No....................

REFNO 097498

LL.B. (Hons.) Semester-IV Examination, 2025-26

Law

Paper : LBHE-224

International Human Rights

Time : Three Hours   ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Analyse the normative foundations of modern international Human Rights law.

   आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विधि के मानक आधारों का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

REFNO 097498

2. "Civil and political rights are considered as first generation human rights distinguishes from third-generation' collective and solidarity rights", in light of this statement, discuss the recognition and obligation of variety of human rights.

"नागरिक और राजनीतिक अधिकारों को पहली पीढ़ी के मानवाधिकार माना जाता है, जो तीसरी पीढ़ी के सामूहिक और एकजुटता के अधिकारों से भिन्न है।" इस कथन के आलोक में विभिन्न प्रकार के मानवाधिकारों की मान्यता और दायित्वों की विवेचना कीजिए।

3. Explain the concept of liberty and security of a person under International covenants and also discuss the procedural guarantees in civil and criminal matters.

अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों के अन्तर्गत व्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की अवधारणा को समझाइए और दीवानी एवं आपराधिक मामलों में प्रक्रियात्मक गारंटी की भी व्याख्या कीजिए।

4. Critically analyses the right to have adequate standard of living in the context of identified contents of right to food and housing under economic and social rights regime.

आर्थिक एवं सामाजिक अधिकारों की व्याख्या के अन्तर्गत भोजन एवं आवास के अधिकार की पहचान की गई सामग्री कके सन्दर्भ में जीवन के पर्याप्त स्तर के अधिकार का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. Analyse the following.

निम्नलिखित का विश्लेषण कीजिए।

(a) Cultural relativism

सांस्कृतिक सापेक्षवाद

(b) United Nations commission of Human Rights.

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग।

6. Discuss sui generic nature of the African charter and analysis interpretation of the term 'people' in the charter.

अफ्रीकी चार्टर के सुई जेरेरिस प्रकृति की विवेचना कीजिए। और चार्टर के 'लोग' शब्द के निर्वचन का विश्लेषण कीजिए।

REFNO 097498

7. Discuss the various powers and functions of the National Commission on Human rights.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विभिन्न शक्तियों एवं कार्यों की व्याख्या कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) Rights based on dignity

गरिमा पर आधारित अधिकार

(b) Weaknesses of the African charter

अफ्रीकी चार्टर की कमजोरियाँ ।

(c) Role of Lawyers to protect human rights.

मानवाधिकार के संरक्षण में अधिवक्ताओं की भूमिका।

(d) Definition of Human Rights.

मानवाधिकार की परिभाषा।

***

Total Printed Pages : 4] *[Roll No. ....*

97502

LL. B. (Hons.) Semester – IV Examination, 2025-26

LAW

Paper : LBHE-226

(Land Laws Including Tenure and Tenancy System)

Time : Three Hours] *[Full Marks : 70*

[Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper.]

Note : Attempt any *five* questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss main factors responsible for the passing of the U. P. Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950. State the effect of vesting of estates in the state of Uttar Pradedsh.

   उ० प्र० जमींदारी उन्मूलन व भूमि सुधार अधिनियम, 1950 के पारित होने के मुख्य कारकों की विवेचना कीजिए। भूसंपत्तियों का उत्तर प्रदेश राज्य में निहित होने का प्रभाव बताइये।

2. What is "Statement of principles" ? Discuss the law relating to preparation and disposal of objections filed upon the statement of Principles under the Uttar Pradesh Consolidation of Holdings Act, 1953.

P. T. O.

"सिद्धान्तों का विवरण" क्या है ? उत्तर प्रदेश चकबन्दी अधिनियम, 1953, के तहत सिद्धान्तों के विवरण की तैयारी एवं उस पर दर्ज आपत्तियों के निस्तारण सम्बन्धित विधिक प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

3. Discuss the law relating to preparation and disposal of objections filed upon provisional consolidation Scheme. How the final consolidation Scheme is enforced in the Unit ?

प्राथमिक चकबन्दी की तैयारी एवं उस पर दायर आपत्तियों के निस्तारण से संबंधित कानून की विवेचना कीजिए। इकाई में अंतिम चकबंदी योजना को कैसे लागू किया जाता है ?

4. Who is a Bhumidhar with Non-transferable rights ? Discuss his rights and liabilities.

असंक्रमणीय अधिकारों वाला भूमिधर कौन हैं ? उनके अधिकारों और दायित्वों की विवेचना कीजिए।

5. (a) Discuss different modes of recovery of arrear of land revenue under the U. P. Revenue Code, 2006.

उ० प्र० राजस्व संहिता, 2006 के अन्तर्गत बकाया भू-राजस्व की वसूली के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कीजिए।

(b) Can more than one mode be relied upon by the competent authority while recovering arrear of land revenue ?

क्या सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक से अधिक तरीकों से बकाया भू-राजस्व की वसूली की जा सकती है ?

6. (a) Evaluate the rule of succession when a female tenure holder dies intestate under the U. P. Revenue Code, 2006.

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 के अन्तर्गत महिला खातेदार की बिना वसीयत के मृत्यु हो जाने पर उत्तराधिकार के नियम का मूल्यांकन कीजिए।

(b) Discuss the entitlement of a widowed daughter and a divorced daughter when a male tenure holder dies intestate under the U. P. Revenue Code, 2006.

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 के तहत पुरुष खातेदार की बिना वसीयत के मृत्यु हो जाने पर विधवा पुत्री और तलाक शुदा पुत्री के अधिकारों की व्याख्या कीजिए।

7. "The right to transfer of a Bhumidhar with transferable rights is not unrestricted." Discuss.

"हस्तान्तरण अधिकारों वाले भूमिधर का हस्तांतरण का अधिकार अप्रतिबंधित नहीं है।" व्याख्या कीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Asami

असामी

(b) Surrender and Abandonment

समर्पण एवं परित्याग

(c) Declaratory Suit

घोषणात्मक वाद

(d) Agricultural year

कृषि वर्ष

REFNO097489

Roll No. ....

LL.B. (Hons.) Semester IV Examination 2025-26

Law

LBH-224: Alternate Dispute Resolution

Time : Three hours **Max. Marks : 70**

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any five questions. All the questions carry equal marks.
किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. Answer the following:
निम्नलिखित के उत्तर दीजिए :

(a) With the help of decided cases, distinguish between 'general reference' and 'specific reference' for incorporating an external arbitration clause into the contract.
निर्णीत वादों की सहायता से, संविदा में बाहरी माध्यस्थम खण्ड को सम्मिलित करने के लिए 'सामान्य सन्दर्भ' एवं 'विशिष्ट सन्दर्भ' के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(b) Discuss how the 2015 Amendments altered the degree of Judicial intervention allowed at pre-referal stage under Section 8 of Arbitration and Conciliation Act, 1996.
विवेचना कीजिए कि 2015 के संशोधनों ने माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 8 के अन्तर्गत सन्दर्भ पूर्व अवस्था में अनुमन्य न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा को किस प्रकार परिवर्तित कर दिया हैं?

2. How far do you think that the judicial standards required to be met by an applicant seeking interim measures Under Order XXXVIII, Rule 5 and Order XXXIX, Rule 1, 2 of Civil Procedure Code, strictly govern the exercise of power by courts and tribunals under section 9 and 17 of Arbitration and conciliation Act, 1996?
आपके विचार में, सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश XXXVIII, नियम 5 और आदेश XXXIX, नियम 1, 2 के अन्तर्गत अंतरिम उपाय की मांग करने वाले आवेदक द्वारा पूर्ण किये जाने वाले न्यायिक मानक, मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 9 एवं 17 के अन्तर्गत न्यायालयों एवं अधिकारों द्वारा शक्ति के प्रयोग को किस प्रकार नियंत्रित करते हैं?

3. Answer the following -
निम्नलिखित का उत्तर दीजिए –

(a) Draw a legal distinction between 'Challenge under section 13' and 'termination of mandate under section 14' and specify when a party can bypass the arbitral tribunal and directly approach the court under section 14 to seek the termination of mandate of an arbitrator for alleged back of independence.
'धारा 13 के अन्तर्गत चुनौती' और 'धारा 14 के अन्तर्गत समादेश की समाप्ति' के मध्य विधिक अन्तर स्पष्ट कीजिए तथा यह भी निर्दिष्ट कीजिए कि कोई कब माध्यस्थम अधिकरण को छोड़कर, कथित स्वतंत्रता के अभाव के आधर पर एक माध्यस्थ के समादेश को समाप्त कराने के लिए सीधे न्यायालय जा सकता है।

(b) Party autonomy in conduct of arbitration proceedings.
माध्यस्थम कार्यवाहियों में पक्षकारों की स्वायत्तता।

P.T.O.

4. Discuss the following –
निम्नलिखित का विवेचना कीजिए –

(a) Whether section 5 and 14 of the Limitation Act, 1963 can be invoked to condone delays beyond the proviso to section 34 (3)?
क्या धारा 34 (3) परंतुक से अधिक हुयी को क्षमा करने के लिए परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 5 एवं 14 को लागू किया जा सकता है?

(b) How the Explanation to section 34(2)(b)(ii) and section 34 (2A) inserted by 2015 Amendments codified the boundaries of the meaning, of "Public Policy" and 'domestic awards'?
2015 के संशोधनों द्वारा धारा 34(2)(b)(ii) में सम्मिलित किये गये स्पष्टीकरण तथा धारा 34 (2A) ने "लोक नीति" एवं "घरेलू पंचाटों" के अर्थ की सीमाओं को किस प्रकार संहितावद्ध किया है?

5. Discuss the significance of insertion of Section 11(6A) through the 2015 amendment and examine the judicial response to its omission by the 2019 amendment. Refer particularly to the decisions in SBP & Co. V. Patel Engineering Ltd., Duro Felguera S.A. V. Gangavaram Port Ltd. and United India Insurance Co. Ltd. V. Hyundai Engineering & Construction Co. Ltd.
2015 के संशोधनों द्वारा धारा 11(6A) के समावेशन के महत्व की विवेचना कीजिए तथा इसके विलोपन पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया का परीक्षण कीजिए। विशेष रूप से एस.बी.पी. एण्ड क. बनाम पटेल इंजीनियरिंग, डयूरो केल्गुरा एस.ए. बनाम गंगावरम पोर्ट लि० तथा यूनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस क० लि० बनाम हुण्डई इंजीनियरिंग एण्ड कांन्सट्रक्शन क० लि० का सन्दर्भ दीजिए।

6. Discuss the stages of Mediation. Also discuss the aspects of Mediation Settlement Agreement, grounds for challenge, confidentiality and time line under Mediation Act, 2023.
मध्यस्थता की विभिन्न अवस्थाओं की विवेचना कीजिए। साथ ही मध्यस्थता अधिनियम, 2023 के अन्तर्गत मध्यस्थता समझौते, चुनौती के आधार गोपनीयता तथा समय सीमा जैसे पहलुओं की विवेचना भी कीजिए।

7. Critically examine the applicability of part I of Arbitration and conciliation Act, 1996 to foreign seated arbitrations. Discuss the evolution of judicial interpretation of section 2(2) from Bhatia International V. Bulk Trading S.A. to Bharat Aluminium Co. V. Kaisar Aluminium Technical Services Inc. and anlyze the impact of 2015 amendment.
विदेशों में होने वाले माध्यस्थमों पर माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के भाग–1 की प्रयोज्यता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। भाटिया इण्टरनेशनल बनाम् बल्क ट्रेडिंग एस.ए. से भारत एल्यूमिनियम क० बनाम् कैसर एल्यूमिनियम टेक्निकल सर्विसेज तक धारा 2(2) की न्यायिक व्याख्या के विकास तथा 2015 के संशोधन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:

(i) Choice of law,
प्रयोज्य विधि का चयन,

(ii) 'Arbitration Agreement' and 'an Agreement to have Expert Determination",
'माध्यस्थम करार' तथा विशेषज्ञ द्वारा निर्णय प्राप्त करने हेतु करार",

(iii) Fast Track Arbitration,
त्वरित माध्यस्थम्,

(iv) Settlement Award and Additional Award.
समझौता पंचाट तथा अतिरिक्त पंचाट।

*****